आकाशवाणी शिमला

27.05.2026 / प्रादेशिक समाचार / 18:00बजे

दूसरा चरण

प्रदेश में कल 28 मई को पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव के दूसरे चरण के लिए मतदान होगा। मतदान सुबह 7 बजे शुरू होगा और दोपहर बाद 3 बजे तक चलेगा। मतदान के तुरंत बाद पंचायतों में प्रधान, उपप्रधान और सरपंचों के लिए पड़े वोटों की गिनती होगी जबकि जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के लिए हुए मतदान की गिनती 31 मई को होगी। 31 मई को ही प्रदेश के चार नगर निगमों सोलन, मंडी, पालमपुर और धर्मशाला के लिए हुए चुनाव की मतगणना भी होगी। पंचायतीराज संस्थाओं के दूसरे चरण के चुनाव के लिए कल एक हज़ार 2 सौ 74 पंचायतों में वोट डाले जाएंगे। राज्य में पंचायतीराज संस्थाओं के तीसरे और आखिरी चरण में 30 मई को एक हज़ार एक सौ 87 पंचायतों में मतदान होगा। इस बीच कल होने वाले दूसरे चरण के चुनाव के लिए आज उम्मीदवारों ने भीषण गर्मी के बावजूद राज्य के विभिन्न हिस्सों में घर–घर जाकर वोट मांगे और अपनी जीत पक्की करने का प्रयास किया।

विक्रमादित्य

लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा है कि पंचायतीराज संस्थाओं के चुनावों को विधानसभा या लोकसभा की तरह सत्ता का सेमीफाइनल बताना पूरी तरह गलत है। विक्रमादित्य सिंह ने आज शिमला में पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि पंचायत चुनाव व्यक्तिगत क्षमता, स्थानीय जनसमर्थन और उम्मीदवारों की मेहनत के आधार पर लड़े और जीत जाते हैं। उन्होंने ये भी कहा कि पंचायत चुनावों के अभी दो चरण होने बाकी है और पूरी तस्वीर सामने आने के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी। विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि पंचायत, नगर निकाय और नगर निगम चुनावों में जो भी प्रतिनिधि जीतकर आएगा, सरकार उसके साथ मिलकर विकास कार्यों को आगे बढ़ाएगी।

अनुराग ठाकुर

पूर्व केन्द्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा है कि धर्मशाला में आयोजित आईपीएल मुकाबलों ने हिमाचल खासकर धर्मशाला, कांगड़ा, मैक्लोड़गंज, पालमपुर और आसपास के क्षेत्रों की स्थानीय अर्थव्यवस्था को बड़ा प्रोत्साहन दिया है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने छोटे पहाड़ी राज्य हिमाचल में क्रिकेट को नई पहचान देने के साथ–साथ खेल पर्यटन को भी नई ऊंचाईयों तक पहुंचाने का ऐतिहासिक कार्य किया है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल प्रदेश की आर्थिकी को बल मिलता है बल्कि राज्य की संस्कृति के प्रचार–प्रसार को भी बढ़ावा मिलता है।

जनगणना

प्रदेश में एक जून से 15 जून तक हर व्यक्ति अपनी और अपने परिवार की गणना स्वयं कर सकेगा। स्व–जनगणना के लिए डिजिटल तकनीक का सहारा लिया जाएगा। राज्य जनगणना कार्य निदेशालय के अनुसार स्व–जनगणना से जनगणना का काम तेजी से और पारदर्शी ढंग से हो सकेगा। स्व–जनगणना में डिजिटल तकनीक के प्रयोग से प्रदेशवासियों को अपनी गणना और जानकारी ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड करनी होगी, इसके बाद उन्हें स्व–जनगणना आईडी नम्बर मिलेगा। ये नम्बर जनगणना कर्मी के घर–घर सर्वेक्षण करने के दौरान उन्हें बताना होगा। ऐसा करने से स्व–जनगणना के दौरान पोर्टल पर अपलोड की गई जानकारी स्वतः ही जनगणना कर्मी के मोबाईल एप्प में प्रदर्शित हो जाएगी और इसकी पुष्टि भी हो जाएगी।

मौसम

प्रदेश में भीषण गर्मी का दौर जारी है। खासकर राज्य के मैदानी ज़िलों ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, कांगड़ा, सिरमौर, सोलन और मंडी ज़िलों में लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। ऊना ज़िला में तापमान के लगभग 44 डिग्री पहुंच जाने के चलते छोटे बच्चे बीमार हो रहे हैं। इसे देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से हल्के रंग के कपड़े पहनने, शरीर में पानी की कमी न होने देने और 12 से 4 बजे के बीच अनावश्यक रूप से घर से न निकलने की सलाह दी है। सिरमौर से हमारे संवाददाता सतीश शर्मा के मुताबिक हीटवेव से अस्पतालों में हीट स्ट्रोक और उल्टी दस्त के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। अत्याधिक गर्मी के कारण राज्य के मैदानी क्षेत्रों में बाजारों से रौनक गायब हो गई है। हालांकि शिमला, मनाली और डलहौजी जैसे शहरों में गर्मी से बचने के लिए पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ रही है। इस बीच मौसम विभाग ने कहा है कि 28 मई से हिमालय क्षेत्र में ताजा पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। इसके प्रभाव से 28 मई को राज्य के पांच ज़िलों चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला ज़िलों में ओलावृष्टि, अंधड़, आसमानी बिजली गिरने और 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी तूफान चलने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।